भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं॰ 15

दिनांक 17.07.2017 को उत्तर दिए जाने के लिए

राजस्थान में जल संदूषण

†15. श्री राम नारायण डूडीः

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राजस्थान राज्य में भूजल में फ्लोराइड, नाइट्रेट और खारेपन से प्रभावित खण्डों की संख्या कितनी है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) केन्द्र सरकार द्वारा फ्लोराइड, नाइट्रेट से प्रभावित खण्डों वाले स्थानों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु क्या योजनाएं बनाई गई हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या राजस्थान सरकार ने इन खण्डों में शुद्ध पेयजल प्रदान करने हेतु केन्द्र सरकार से आर्थिक मदद प्रदान करने का अनुरोध किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री रमेश चंदप्पा जिगाजिनागी)

(क) मंत्रालय की एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमआईएस) पर राजस्थान सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, दिनांक 12 जुलाई 2017 की स्थिति के अनुसार, फ्लोराइड, नाइट्रेट और लवणता प्रभावित ब्लॉकों की जिला-वार संख्या अनुलग्नक पर दी गई है।

(ख) ग्रामीण पेयजल आपूर्ति राज्य का विषय है। यह मंत्रालय, ग्रामीण आबादी में सुरक्षित पेयजल के कवरेज में सुधार लाने के लिए केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) के जरिए राज्यों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को पूरा करता है। इसके लिए मंत्रालय द्वारा स्कीमें तैयार नहीं की जाती हैं। राज्य सरकारें ही स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए स्कीमों की आयोजना, डिजाइनिंग, अनुमोदन, कार्यान्वयन और प्रचालन एवं रखरखाव करती हैं। राज्यों को आबंटित निधियों का 67 प्रतिशत तक जल गुणवत्ता समस्याओं के कवरेज और उनके निपटान के लिए उपयोग किए जा सकते है।

राज्यों से कहा गया है कि वे स्कीमों के स्थायित्व के लिए सुरक्षित तथा बारहमासी सतही जल स्रोतों वाली नल जल आपूर्ति स्कीमों पर बल दें। अंतरिम उपाय के रूप में, नीति आयोग की सिफारिश से, राजस्थान सरकार को मार्च 2016 में शत-प्रतिशत केंद्रीय अंशदान के रूप में 331.29 करोड़ रुपए की निधियां उपलब्ध कराई गई थीं, ताकि वे 6,904 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों में सामुदायिक जल शुद्धिकरण संयंत्र (सीडब्ल्यूपीपी) उपलब्ध करा सकें। इसके अतिरिक्त, राजस्थान राज्य को शत प्रतिशत केंद्रीय अंशदान के रूप में 100 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है ताकि वे फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को कवर करने वाली दो चालू नल जल आपूर्ति स्कीमों को पूरा कर सकें।

इनके अलावा, मंत्रालय ने 22 मार्च 2017 को आर्सेनिक/फ्लोराइड प्रभावित बसावटों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए एक राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन की शुरुआत की है। फरवरी/मार्च 2017 के दौरान राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन के अंतर्गत राजस्थान राज्य को 57 चालू स्कीमों को पूरा करने के लिए 490.64 करोड़ रुपए की निधियां जारी की गई हैं।

(ग) राजस्थान सरकार ने झुंझुनू और बाड़मेर जिले में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जापान अंतर्राष्ट्रीय कॉर्पोरेशन एजेंसी (जीका) से वित्तपोषण लेने के लिए पांच परियोजना प्रस्ताव (2736.86 करोड रुपए की लागत वाली) प्रस्तुत किया है। तथापि, प्रस्ताव पूर्ण नहीं थे, अतः राज्य सरकार से कुछ अन्य सूचनाएं मांगी गई हैं जो अब तक प्राप्त नहीं हुई हैं।

राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन के अंतर्गत, राजस्थान सरकार ने राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों के फ्लोराइड प्रभावित बसावटों में पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (एआईआईबी) से वित्तीय सहायता (राज्य अंशदान) का अनुरोध किया है। राजस्थान सरकार ने लगभग 100 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को सतही जल आधारित नल जल आपूर्ति स्कीमों से और 3400 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को सामुदायिक जल शुद्धिकरण संयंत्रों की संस्थापना (अर्थात रिवर्स ऑस्मोसिस/डि फ्लोरीडेशन इकाइयों) द्वारा कवर करने के लिए एक प्रिलिमिनरी प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। कुल परियोजना लागत लगभग 2000 करोड़ रुपए है। आगे की आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रस्ताव को आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय को प्रेषित किया गया है।

17 /07/2017 को उत्तर दिए जाने हेतु राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 15 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दिनांक 12 जुलाई 2017 की स्थिति के अनुसार मंत्रालय की आई एम आई एस पर राजस्थान सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार फ्लोराइड, नाइट्रेट तथा लवणता से प्रभावित ब्लॉकों की जिला-वार संख्या

क्रम संख्या	जिलों का नाम	संदूषित ब्लॉकों की संख्या		
		फ्लोराइड	नाइट्रेट	लवणता
1	अजमेर	3	0	1
2	अलवर	9	0	8
3	बांसवाडा	10	7	2
4	बारां	3	3	3
5	बाड़मेर	11	5	17
6	भरतपुर	7	6	10
7	भीलवाड़ा	11	7	7
8	बीकानेर	3	3	4
9	बूंदी	5	5	4
10	चित्तौड़गढ़	9	8	9
11	चुरू	6	4	6
12	दौसा	6	4	3
13	धौलपुर	0	0	1
14	डुगरपुर	6	7	1
15	गंगानगर	3	0	0
16	हनुमानगढ़	1	0	1
17	जयपुर	14	8	12
18	जैसलमेर	3	1	1
19	जालौर	8	7	8
20	झालावाड़	5	6	5
21	झुनझुनु	8	5	4
22	जोधपुर	13	6	15
23	करौली	3	5	5
24	कोटा	4	4	4
25	नागौर	13	13	14
26	पाली	9	7	5
27	राजसमंद	3	5	2
28	सवाई माधोपुर	7	7	4
29	सीकर	5	2	5
30	सिरोही	6	4	2
31	टोंक	5	0	4
32	उदयपुर	5	4	5
33	अजमेर	2	3	3
कुल		**206**	**146**	**175**